Regarding issue of snake biting and death of people due to this in India particularly in Bihar and need for publicity of anti-snake venom medicine made by tribal society of Tamil Nadu to save the life of people due to snake biting

श्री राजीव प्रताप रूडी **(सारण) :** माननीय सभापति महोदया, यह एक ऐसा विषय है, जो पूरे देश भर को प्रभावित करता है और यह विषय सांप काटने से संबंधित है । नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार बिहार राज्य देश का सबसे गरीब राज्य है । एक तरफ जहां हम गरीबी की मार सहते हैं, वहीं प्रकृति की मार भी सहते हैं । बाढ़ और बारिश के कारण बिहार में जो त्रासदी है, वह हम सब हर वर्ष देखते हैं । हमारे बिहार के माननीय सांसद संजय जायसवाल जी, जो उस इलाके से आते हैं, वे भी इसे सुन रहे हैं ।

पूरे भारतवर्ष में हर वर्ष लगभग 30 से 40 लाख लोगों को सांप काटते हैं । शायद ये फिगर्स सबकी जानकारी में नहीं होंगी । उनमें से लगभग 50 से 60 हज़ार लोगों की मौंत हो जाती है, जो दुनिया में सबसे अधिक है । बिहार की 76 प्रतिशत आबादी इससे बुरी तरह प्रभावित है । सबसे अधिक मरने वालों की संख्या भारत और दुनिया में यदि किसी प्रांत में है, तो वह बिहार में हैं, जहां दस हज़ार से अधिक लोग सांप के काटने से मारे जाते हैं । नाग देवता की हम पूजा करते हैं । भारत में चार प्रकार के विषैले सांप हैं, जिनमें करेत, रसल वाइपर, स्केल वाइपर हैं, जो पूरे भारत वर्ष में लोगों को काटते हैं । महोदया, बहुत सारी मौंतें ऐसी हैं, जिनको हम रोक सकते हैं । जलवायु परिवर्तन मंत्री जी यहां पर बैठे हैं । सांपों के व्यवहार में परिवर्तन का कारण जलवायु परिवर्तन है । सांप के शरीर का तापमान 28 डिग्री होता है । अगर थोड़ा भी तापमान बढ़ता है तो वह ज़मीन से बाहर निकल कर लोगों पर प्रहार करता है । अगर तापमान कम भी होता है, तो उसका प्रहार गरीबों पर होता है । मरने वालों में सबसे अधिक गरीब होते हैं, क्योंकि उनकी क्षमता नहीं होती है कि वे इलाज़ करवा कर दवाई आदि ले सकें । सांपों की 366 में से भारत में 66 स्पीशीज़ हैं, लेकिन मूलत: ये चार विषैले सांप हैं ।

जो चिंता का विषय मैं यहां रखना चाहता हूँ, मैं दक्षिण के लोगों का आभर व्यक्त करना चाहूंगा और विशेषकर तमलिनाडु के लोगों का आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि एक इरुला समाज है, जो दक्षिण में सांपों को जंगलों से पकड़ कर एंटी स्नेक वेनम बनाता है । यह एक ट्राइबल सोसाइटी है । भारत में सांप से काटने से बचाने के लिए जो दवाई दी जाती है, वह इसी संस्था द्वारा बनाई जाती है । मैं उस समाज का, उस कोऑपरेटिव सोसाइटी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा, जो पूरे भारतवर्ष में एंटी स्नेक वेनम बनाता है । ? (व्यवधान) महोदया, यह सभी सांसदों के क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है । यह बड़ा सवाल है । ? (व्यवधान) इसमें जो विषय उभर कर आ रहा है कि हर क्षेत्र का जेनेटिक्स अलग है, जिसके कारण यह वेनम प्रभावशाली नहीं होता है । संकट यह है कि सांप की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी माननीय मंत्री भूपेंद्र यादव जी के पास है और स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी माननीय नड्डा जी के पास है । लेकिन पूरे भारतवर्ष में इसके प्रचार-प्रसार और प्रिवेंशन के बारे में कौन सा मंत्रालय है, यह हम सब लोग नहीं जानते हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करुंगा कि यह अपने आप में एक बड़ी समस्या उभर कर आ रही है, जिस पर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा ।